

शब्दार्थ

मंगलूर - प्रासिद्ध	गुस्तिल - कठिन
होशियारी - समझदारी	चकित - हैरान
जो - एक प्रकार का अनाज	मदद - सहायता
आपत्ती - अपने ऊपर बीबी	थकीन - विश्वास

प्रश्नोत्तर (अज-3)

ओला - बाला

प्रश्न 1) तिब्बत के मंत्री अपने बेटे के ओलेपन से चिंतित रहते थे।

(क) तुम्हारे विचार से वे किन-किन बातों के बारे में सोचकर परेशान होते थे?

उत्तर :- हमारे विचार से तिब्बत के मंत्री यह सोचकर परेशान होते थे कि मेरा बेटा होशियार कैसे बनेगा; और मेरे बाद जीवन थापन कैसे करेगा।

(ख) तुम तिब्बत के मंत्री की अगह होती तो क्या उपाय करती

उत्तर मैं तिब्बत के मंत्री की अगह होती तो अपने बेटे को प्यार से समझाती और उसे समझदारी की सीख देती

बाहर की तरफ

प्रश्न 1) "मंत्री ने अपने बेटे को बाहर की तरफ खाना किया।"

(क) मंत्री ने अपने बेटे को बाहर क्यों भेजा था?

उत्तर :- मंत्री ने अपने बेटे को बाहर इसलिए भेजा ताकि शहर जाकर उनका बेटा दुनियादारी समझे और व्यवहारिक बने।

(ख) अपने अपने बेटे को भेड़ों के साथ बाहर में ही क्यों भेजा?

उत्तर :- बाहर के लोग अधिक होशियार और सूझबूझ वाले होते हैं। ऐसे लोगों के बीच रहकर भेड़ा भाला चार्करी भी होशियार और सूझ बूझ वाला बन जाता है। इसलिए मंत्री ने अपने बेटे को भेड़ों के साथ बाहर में ही भेजा।

2) 'जौ' शब्द तरह का अनाज है जिसे कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। इसकी शेरी बनाई जाती है, अन्न बनाया जा है और सूखा भूनकर भी खाया जाता है। अपने घर में और स्कूल में बातचीत करके कुछ और अनाजों के नाम पता करो।

उत्तर गेहूँ जौ
 मक्का मटर
 ज्वार बाजरा

3) गेहूँ और जौ अनाज होते हैं और ये तीनों शब्द संज्ञा हैं। 'गेहूँ' और 'जौ' अलग-अलग किस्म के अनाजों के नाम हैं इसलिये ये दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं और 'अनाज' जातिवाचक संज्ञा है। इसी प्रकार 'रिमसिम' व्यक्तिवाचक संज्ञा है। और 'पाठ्यपुस्तक' जातिवाचक संज्ञा है।

(क) नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण इन दो प्रकार के संज्ञाओं में करो :-

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा
लेह, शेरवानी, लॉबा, खिचड़ी	धातु, भोजन, शहर, वेशभूषा

(ख) ऊपर लिखी हर जातिवाचक संज्ञा के लिए तीन-तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ खुद सोचकर लिखो।

उत्तर शहर :- पटना, दिल्ली, मुंबई
 वेशभूषा :- साड़ी, धोती, कमीज
 धातु :- सोना, चाँदी, पीतल
 भोजन :- चावल, दाल, शेरी